2

जल प्रलय के बाद का काल

प्रलय से लेकर अब्राहाम के बुलाए जाने तक, 2348-1921 ई.पू. (उत्पत्ति 8:10-11:26)

1. दूसरा आरम्भ (उत्पत्ति 8:15-9:29)। -जहाज़ मनुष्य जाति के लिए दूसरा पालना बन गया। इसमें से नूह और उसके परिवार की एक नई परीक्षा का आरम्भ हुआ।

क. वेदी एवं वाचा। -नूह ने जहाज़ में शुद्ध पशुओं के सात-सात जोड़े रखे थे। वहां से निकलने के बाद उसका पहला काम वेदी बनाना और प्रत्येक शुद्ध पशु और जन्तु में से परमेश्वर के लिए भेंट चढ़ाना था। नूह की आराधना को स्वीकार करके परमेश्वर उसके साथ एक वाचा बांधता है और इस पर प्रतिज्ञा के एक सुन्दर धनुष की मुहर लगाता है। इस वाचा की मुख्य बातें थीं कि (1) इसके बाद कोई जल प्रलय नहीं होगा; (2) लोग पृथ्वी पर बढ़ेंगे और इसे भर देंगे; (3) मांस खाने की बात पक्की हो गई। हत्या के लिए मृत्यु दण्ड होने से मनुष्य के जीवन की पवित्रता बनी रही।

ख. नूह के पुत्रों का भविष्य। -नूह के इतिहास की अंतिम घटनाएं हाम का मय से निर्लज्जतापूर्वक अपमान तथा शेम और येपेत के उसके साथ आदरपूर्ण व्यवहार के साथ समाप्त होती हैं। नूह का भविष्यवाणी सूचक चित्रण उनके अलग-अलग भविष्य के स्वाभाविक अन्तर का कारण बना: (1) कनान का श्राप (हाम की जाति), (2) शेम की आशीष, (3) येपेत का बढ़ना।

2. जातियों की उत्पत्ति (उत्पत्ति 10)। -उत्पत्ति की पुस्तक का दसवां अध्याय एथनोलॉजी (मानव-जाति विज्ञान) पर सबसे पुराना अधिकार है। इसमें नूह के पुत्रों की संतान और उनको मिले भाग का विवरण है। (1) हाम के चार पुत्र थे, जो फरात और नील घाटी के मैदान में बस गए। प्राचीनतम सभ्यताएं हाम वंशियों की ही थीं। (2) शेम के पांच पुत्र दक्षिण-पूर्वी एशिया में बस गए। वे उन कसदियों के पूर्वज थे जिन्होंने फरात पर प्रारम्भिक हाम वंशियों, अश्शूरी, सीरियाई, अरबी और इब्रानी लोगों पर विजय पाई थी। इन्होंने बड़े-बड़े साम्राज्य स्थापित किए थे। (3) येपेत के सात पुत्र थे, जिनसे मादी, यूनानी, रोमी, और यूरोप की सभी आधुनिक जातियां उत्पन्न हुईं। वे दूर-दूर तक फैल गए, हज़ारों वर्षों तक गुमनाम रहे लेकिन चौबीस सौ वर्षों से संसार में शासन करने वाली जातियां हैं।

3. बाबुल का बुर्ज और भाषाओं का बिगड़ना (उत्पत्ति 11:1-9)। -सदियां बीत जाने के बाद लोग फरात के मैदान पर शिनार में इकट्ठा होने लगे। वे अपना नाम ऊंचा करने और बिखराव को रोकने के लिए एक गुम्मट बनाने लगे हैं। नूह के साथ की गई अपनी वाचा

में परमेश्वर ने बताया था कि उसकी योजना लोगों को पृथ्वी पर फैलाने की थी। उनका पाप बाबुल बुर्ज बनाना नहीं बल्कि उनके मन की सोच थी। परमेश्वर ने उनकी भाषा में गड़बड़ी पैदा करके उनके उद्देश्य को मिटा दिया था। जिससे वे बिखर गए; जहां से बाबुल बना अर्थात गड़बड़ी हुई।

4. शेम के वंशज (उत्पत्ति 11:10-26)। -इन पदों में पांचवें अध्याय का पूरक और चरम बिन्दु मिलता है। यह शेत को आदम से नूह की रेखा में मिलाता है। यह शेम से अब्राहम की वंशावली में लेकर आता है। प्रत्येक रेखा में दस नाम हैं। वंशावलियों की ये तालिकाएं पारिवारिक रजिस्टर से बढ़कर हैं। उनका सम्बन्ध बाइबल इतिहास के प्रमुख उद्देश्य से है। इसका उद्देश्य सच्चे धर्म के उदय तथा विकास को जानना है। यह विकास प्रतिज्ञा की रेखा तक जाता है जो कि विश्वासी लोगों की भी रेखा है। मद्धिम और रेखा के दूर तक प्रतिज्ञा की हुई मसीह की किरण हैं; जबकि हनोक, नूह और आदम ऐसे साहसी व्यक्ति हैं जो इन नीरस सी प्रारम्भिक सदियों में लोगों से हटकर हैं।